

रूण झूण रूण झूण बाजे घूघरा घोडे रा घमसाण रे



रूण झूण रूण झूण बाजे घूघरा,
घोडे रा घमसाण रे,
हेले रे हाजिर आवे,
रूणिचे रा रामदेव।

भादूडा री बीज ने आया,
उंडू काशमिर माई ओ,
थाटी खेजडी बणयो देवरो,
दुनिया दर्शन आवे।

बडा वीरमदेव छोटा रामदेव ,
अजमल आंगण आया ओ,
लाछा सुगणा बहिन आपरे,
मईया रे मन भाया।

अजमल जी ने दियो परचो,
मेणादे जी रे आया ओ,
कूंकू पगलिया मांड आंगणिये,
दूध आप ढबायो।

तुरा किलंगी सोवे थाने,
लीला री असवारी ओ,
भगता रे बाबो बेले आवे,
हेले हाजिर आवे।

पैदल पैदल आवे देवरे,
नाचे गावे थारे ओ,
डीजे रा धमिडा बाजे,
रूणिचे रा मार्गा।



रमेश सारण है बाडमेर वासी,
गुण थारा गावे ओ,
भगता री बाबा अर्जी सुणजो,
चरणा थारी आवे।bd।

रूण झूण रूण झूण बाजे घूघरा,
घोडे रा घमसाण रे,
हेले रे हाजिर आवे,
रूणिचे रा रामदेव।bd।

गायक / प्रेषक – रमेश सारण बाडमेर
9571547445
